यौन रोग - एक आसान निदान और उपचार

यौन रोग (स्त्राव और जॉघ में सूजन)				
प्रमुख लक्षण	**उपवर्ग**	**लक्षण / चिन्ह**	**अन्य जानकारी**	**इलाज**
1. मूत्रमार्ग में से स्त्राव निकलना	पुरुषों में मूत्रमार्ग में से स्त्राव और गाढ़ी पीली पीप (गोनोकोकल मूत्रमार्ग शोथ)	सुबह सुबह स्त्राव निकलना, पेशाब करते समय दर्द। कभी कभी मूत्रमार्ग को पकड़ कर निचोड़ने से पीप की बूंदें भी दिखती हैं। अगर इसका इलाज न हो तो वृषण, पुरस्थ और अधिवृषण भी संक्रमण ग्रस्त हो सकते है।	हाल ही में हुआ यौन संपर्क (2 या 3 दिनों पहले)। वृषण, पुरस्थ और अधिवृषण की बीमारी में लम्बे इलाज की ज़रूरत होती है।	सात दिनों तक डौक्सीसाइक्लीन के 100 मिली ग्राम के कैप्सूल। या फिर नॉरफ्लाक्सासीन 500 मिली ग्राम (4 गोलियॉं) एक बार में या 1 ग्राम सिप्रोफ्लोक्सिन की एक गोली दी जा सकती है।
2. मूत्रमार्ग या गर्भाशयग्रीवा में से योनि स्त्राव (जो कि बढ़ भी सकता है)		गर्भाशय ग्रीवा में से स्त्राव इसका मुख्य लक्षण है। जनन अंगों में खुजली, पेशाब करते हुए दर्द। कभी कभी बुखार और / या पेडू (श्रोणी) में दर्द। पहले गर्भाशय ग्रीवा शोथ होता है और फिर योनिशोथ।		डौक्सीसाइक्लीन 100 मिली ग्राम के कैप्सयूल सात दिनों तक रोज दिन में दो बार। मुँह से सिप्रोफ्लोक्सिन की 1 ग्राम की एक खुराक या 500 मिली ग्राम नॉरफ्लोक्सासीन एकसाथ एक खुराक के रूप में। स्तन पान करवा रही या गर्भवती महिलाओं में इन दवा का इस्तेमाल न करें।
	कैंडिडा फफूंद योनिशोथ	योनि की दीवार सुर्ख लाल हो जाती है, दही जैसा स्त्राव (लिटमस के टैस्ट से इसका पीएच 4.5 से ज़्यादा आता है)	यौन साथी तक बहुत तेज़ी से फैलता है। इस संक्रमण का कोई स्त्रोत नहीं होता।	7 दिनों तक रोज़ जैन्शन वायलेट लगाना या, माईकोनाज़ोल की योनिवि्त या फ्लूकोनाज़ोल की योनी में इस्तेमाल होनेवाली गोली की एक खुराक
		योनि की अंदरूनी त्वचा पर लाल धब्बे। स्त्राव खूब सारा होता है, उसमें से बदबू और झाग भी आता है।		खाने के बाद मैट्रोनिडाज़ोल की एक 2 ग्राम की एक खुराक दे दें (गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में यह न लें)
3. महिलाओं में पेडू (श्रोणी) सुजाक के कारण (पेट के निचले	गोनोकोकल या क्लैमाइडिअल पेडू (श्रोणी) शोथ	योनीद्वारा अंदरुनी जांच या संभोग के समय दर्द। बहुत बढ़ जाने पर आराम करते समय भी असहनीय दर्द	बांझपन अकसर इस बीमारी के कारण होता है। इससे	रोज़ दो बार डौक्सीसाइक्लीन की 100 मिली ग्राम की गोलियॉं और साथ में 10 दिनों तक मैट्रोनिडाज़ोल की 500 मिली

हिस्से) में दर्द			डिंबवाही नलियॉ बंद हो जाती हैं।	ग्राम की गोलियॉ दिन में तीन बार
4. जॉघ में गिल्टियॉ (पहले जांच करें कि उस तरफ के पैर में संक्रमण पीप तो नहीं है		कुछ समय के लिए छाला रहता ता है इसका अकसर पता भी नहीं चल पाता, इसके बाद एक या दोनों ओर गिल्टियॉ हो जाती हैं। अगर इलाज न हो तो ये फटकर इनसे पीप बाहर निकल सकती है। इससे चिरकारी नाड़ीव्रण / विदर हो सकती है		14 दिनों तक रोज़ डौक्सीसाइक्लीन की 100 मिली ग्राम की गोली। गिल्टियों के फट जाने पर इनकी मरहम पट्टी करे। और अगर फटने से पहले इनका पता चल जाए तो पिचकारी और सूई से द्रव बाहर निकालें। पर काटने या द्रव बाहर बहाने की कोशिश न करें
	जनन अंगों के छाले, सिफलिस या नरम व्रण होकर गिल्टियॉ।	अगर यह सिफलिस है तो ये गिल्टियॉ दर्दरहित और रबर जैसी होंगी। अगर यह नरम व्रण है तो इसमें भी 50 प्रतिशत मामलों में दर्द वाली गिल्टियॉ होती हैं। यह बाद में पीप के साथ फूट जाती हैं		तालिका के आगे के हिस्से में अलग अलग बीमारियों का इलाज देखें
5. जनन अंगों का अल्सर'		दर्द रहित छाला जिसका तल काफी ठोस होता है। यह बहुत ही संक्रमणशील होता है। आमतौर पर एक ही होता है । इसके बाद गिल्टियॉ हो जाती हैं। कुछ हफ्तों में छाला और गिल्टियॉ गायब हो जाती हैं। यह अवस्था प्राथमिक सिफलिस की अवस्था है।		पैन्सेलीन सबसे अच्छी रहती है। पर अगर इन्जैक्शन देना संभव न हो तो ऐरिथ्रोमाईसीन या टैट्रासाइक्लीन की 15 दिनों तक प्रयोग करे
	शांक्राईड (एच डयुक्रेयी बैक्टीरिया द्वारा संक्रमण	एक छाला सा होता है जो बाद में अल्सर में बदल जाता है। अल्सर नरम, उथला, दर्द करने वाला (12 सेंटीमीटर से चौड़ा) होता है। उसमें से छूने पर खून निकलता है। एक बार में एक या एक से ज़्यादा छाले हो सकते हैं। इससे जॉघ में सूजन और पीप भी हो सकती है।	बहुत अधिक संक्रामक	कोट्रीमोक्साज़ोल (80 जमा 400 मिलीग्राम), दो गोलियॉ दिन में दो बार सात दिनों तक
6. जॉघ में गुल्म		दर्द वाली छोटी फुन्सियों का गुट		एसिक्लोवीर की 200 मिली ग्राम की

(एलजीव्ही)		जिनके आसपास की त्वचा लाल हो जाती है। साथ में बुखार। कुछ दिन बाद जनन अंगों के ऊपर धीमी गोभी नुमा सूजन। अगर इसका इलाज न हो तो जननेन्द्रिय क्षेत्र में और जॉघ के क्षेत्र में बीमारी फैलती जाती है।		गोलियॉ 5 दिन तक, दिन में पॉच बार ली जानी चाहिए। कोट्रीमोक्साज़ोल (80-400 मिली ग्राम की दो गोलियॉ रोज़ दो बार, 15 दिनों तक
7. एचआईवी वायरस से होने वाला एड्स		जनन अंगों या जॉघ में कोई घाव नहीं। संक्रमण के प्रति प्रतिरक्षा कमज़ोर पड़ जाने के लक्षण और चिन्ह। जिससे बार बार बुखार, खॉसी, गले में दर्द, दस्त, वजन घटना आदि होते हैं। एचआईवी का टैस्ट संक्रमण होने के छः महीने बाद ही संक्रमण दिखाता है	बीमारी संक्रमण ग्रस्त यौन साथी से संपर्क या खून से संक्रमण लगने के कई महीनों से सालों में विकसित और प्रकट होनी शुरु होती है	कोई इलाज नहीं है। बचाव ही एक मात्र समाधान है
8. हैपेटाईटिस बी		जनन अंगों या जॉघ में कोई घाव नहीं। पीलिया हो सकता है| इसमें जिसके कई सालों बाद लिवर सिरोसिस या कॅन्सर हो जाता है (इसी कारण यह बीमारी खतरनाक है)		बीमारी होने के बाद व्हायरस रोधी दवाएँ दी जाती है। ५० प्रतिशत मामलो में बीमारी रुक जाती है। पर इसका टीका उपलब्ध है
पुरुषों में शिश्न के सिरे पर अल्सर। महिलाओं में अल्सर भग, योनि के अंदर या गर्भाशय ग्रीवा में हो सकते हैं। (कभी कभी अल्सर मुँह में भी होते हैं, मुखीय यौन संबंध के कारण)। सभी यौन रोगों के लिए यौन साथी की भी जांच और इलाज करना बहुत महत्वपूर्ण है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो दोनों को ही संक्रमण बार बार होती रहेगी। ध्यान रहे कि महिलाओं में यौन रोग इतने स्पष्ट नहीं दिखते जितने पुरुषों में। सभी यौन रोगों के घाव बहुत ही अधिक संक्रामक होते हैं। इसलिए उन्हें छूते समय पूरी सावधानी बरतें। दस्ताने पहनाना और ठीक से हाथ धोना ज़रूरी है। अगर जिस हाथ या उंगली से आप जांच कर रहे हैं उसके कोई कट या घाव है और दस्ताना फटा हुआ है तो संक्रमण लगने का डर रहता है (खासकर एचआईवी संक्रमण में)। सहानुभूति, जिम्मेदारी और देखभाल के साथ सावधानी को भी जोड़ लें।				